सरपंच सम्मेलन इन्दौर में माननीय लोक सभा अध्यक्ष के उपयोग हेतु महत्वपूर्ण बिन्दु

- आज इन्दौर के सरपंच सम्मेलन में आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। लोकतंत्र में स्थानीय स्वशासन का बहुत महत्व है एवं उसकी मुख्य कड़ी आप सरपंचगण हैं। ''सबका साथ सबका विकास'' को धरातल पर उतारने के लिए आप सभी का सहयोग वांछित है।

- सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं का लाभ कैसे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मिले, यही हमारा सपना है। हम जनप्रतिनिधि इसी पुनीत उद्देश्य के लिए कार्य करें।

- गांव के विकास में खेती, पशुपालन, कुटीर उद्योग, ग्रामोद्योग, स्वच्छ वातावरण, सुन्दर पर्यावरण, उपयुक्त अवसरंचना, बिजली, पानी, सड़क सभी की समान भूमिका है। एक–एक गांव के पर्यावरण की समेकित सुरक्षा से ही राष्ट्र की सुरक्षा संभव है।

- जिले के कोने–कोने से आए सभी सरपंच बदलाव के दूत यानी संदेशवाहक सिद्ध हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण ध्यान हमारे अन्नदाता किसान भाई, खेतिहर मजदूर एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान वाले सभी लोगों का है। उनके उत्थान में ही भारत का उत्थान निहित है।

- मित्रो! पृथ्वी के संतुलन का एक मनमोहक चित्र अथर्ववेद के निम्न मंत्र में हैः–

  ''यस्यां समुद्र उत सिन्धुरापो यस्यामन्नं कृष्टयः संबभूवुः।

  यस्यामिदं जिन्वति प्राणादेजत् सा नो भूमिः पूर्वपेये दधातु।।''

यानि, पृथ्वी समुद्र, नदियों, झरनों व जल स्रोतों से सुशोभित है। इस पृथ्वी पर खेती की जाती है एवं उत्पादित अन्न से संसार के सभी प्राणधारी जीव–जन्तु तृप्ति पाते हैं। वह उत्पादक भूमि हमें सभी प्रकार के खाद्य एवं पेय पदार्थ देती है।

- भारत इस पृथ्वी का 7वां सबसे बड़ा भूखंड है। विश्व का सबसे बड़ा खेती करने वाला देश है क्योंकि यहां 60 प्रतिशत भूमि पर खेती होती है जबकि अन्य देशों में सिर्फ 20 प्रतिशत पर ही खेती होती है। खेती ही भारत का भूत, वर्तमान और भविष्य है, इसे समझना जरूरी है। भारत में सबसे ज्यादा औसत वर्षा 105 सेमी होती है। बहुफसली पौष्टिक खाद्यान्नों में खेती भारत की अक्षुण्ण विरासत है।
- रसायनिक खाद के उपयोग से धीरे–धीरे भूमि के महत्वपूर्ण उपयोगी तत्व नष्ट हुए हैं। वर्ष 1950 में यह भूमि सिर्फ नाइट्रोजन की कमी से प्रभावित थी। अब यह नाइट्रोजन, लौह, फॉस्फोरस, जिंक, पोटाशियम सबकी कमी से ग्रस्त है। धरती की रसायनिक संरचना में आई इस कमी को केवल जैविक खाद ही पूर्ण कर सकने में सक्षम है।

- कृषि हमारी सभ्यता और संस्कृति के मूल में रही है। हमारे सामाजिक और आर्थिक जीवन का ये सबसे अहम हिस्सा है। औसत खेत 1.12 हेक्टेयर है। खेती पर आउटपुट 17 प्रतिशत, रोजगार 48 प्रतिशत, पानी का कन्जम्पशन खेती में 75 प्रतिशत, खेती की भूमि – 46 प्रतिशत है। ग्रीन हाउस गैस – 17 प्रतिशत हैं।

- किसानों को अगर बीपीएल की श्रेणी से ऊपर लाना है और उसकी खेती के सिवा कोई आमदनी नहीं तो लैंड होल्डिंग कम से कम 1.55 एकड़ होनी चाहिए। किसान की आय नॉन–एग्रीकल्चरिस्ट के मुकाबले 1983–84 में 1/3 था, 2004–05 में 1/4 हुई और 2015–16 में 1/3 से कम है।

- **भारत के प्रधानमंत्री 2022 तक किसानों की आय दुगुना करना चाहते हैं। दो तरह की कृषि होती है। एक रसायनिक और दूसरा जैविक। आजकल जैविक खेती और पद्मश्री सुभाष पालेकर जी द्वारा बहुत परीक्षण एवं तपस्या से जीरो बजट खेती का एक मॉडल दिया है जिसमें गांव का पैसा गांव में, शहर का पैसा भी गांव में रहे और किसान को खेती करने के लिए बाजार पर निर्भरता न हो।**

- **Research में पता चला है कि जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में देसी गाय और केंचुआ का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। जहां गाय का गोबर जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ाता है वहीं केंचुआ जमीन को खोखला पर जमीन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था बनाता है। इससे जलस्तर नियंत्रित रहता है।**

- हमारे यहां फार्म साइज छोटा है। Soil Health खराब हो रही है। सरकार प्रोडक्शन बढ़ाने पर इंसेन्टिव्स दे रही हैं, बाकि प्रॉब्लम सॉल्व नहीं कर रहे हैं। अब हम आर्गेनिक फार्म पर फिर से आ रहे हैं। 2015–16 में 1.35 मिलियन टन आर्गेनिक पैदावार हुई, गन्ना, तिलहन, Cereals/Millets, दालें, Medicinal Plants इत्यादि।

- अभी विश्व की 1 प्रतिशत खेती आर्गेनिक तरीके से होती है। भारत में 2014 की तुलना में आर्गेनिक खेती में 64 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा आर्गेनिक फार्मिंग होती हैं उसके बाद हिमाचल प्रदेश, राजस्थान में होती है। आर्गेनिक फूड का वार्षिक राजस्व 300 अमरीकी डॉलर का है।

- चूंकि जमीन की जोत सीमित है, इसलिए चाहकर भी किसान तभी अपनी आय बढ़ा सकते हैं जब हम खेती से इतर भी कुछ सोचें। इसके लिए पशुपालन, मत्स्यपालन, सुअरपालन, शहदपालन, सीप पालन, बागबानी, फूलों की खेती एवं सब्जियों की खेती इत्यादि

वे वैकल्पिक साधन हैं जिससे किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकता है। Green और White Revolution के साथ ही जितना ज्यादा हम Organic Revolution, Water Revolution, Blue Revolution, Sweet Revolution पर बल देंगे, उतना ही किसानों की आय बढ़ेगी। तालाब और पोखर भी न केवल पानी के बल्कि Aqua Culture and Blue Revolution के बेहतर स्रोत साबित हो सकते हैं।

- एक paradigm shift की आवश्यकता है। प्रोडक्शन बढ़ाना है। अब हमको प्रोडक्शन को चेज न करते हुए फार्मर्स की इन्कम को बढ़ाना है। वह भी वर्ष 2022 तक। इसके लिए Agriculture Marketing में व्यापक सुधार लाना है जो एपीएमसी के माध्यम से ही संभव है। किसानों को फसल की उचित मूल्य उपलब्ध कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। गांव की स्थानीय मंडियों एवं ग्लोबल मार्केट के बीच तालमेल बिठाना बहुत जरूरी है। ग्रामीण एग्रीकल्चर रीटेल मार्केट GRAM एक अत्यन्त महत्वाकांक्षी योजना है जिसकी सफलता से किसान सीधे–सीधे लाभान्वित हो सकता है।

- अब खेती को संगठित रूप देने की बहुत आवश्यकता है। Food Producer Organisation बनाकर किसान लोग खाद, बीज, पानी जैसे महत्वपूर्ण घटकों पर काफी पैसा बचा सकते हैं। Crop diversification बहुत आवश्यक है। कभी धान, कभी गेहूं, कभी मटर, चना इत्यादि। मशरूम पालन भी व्यावसायिक खेती के रूप में उभरा है।

- चाहे निजी जमीन हो या सरकारी जमीन, हमें बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा। इससे शुद्ध हवा, पानी तो मिलेगी ही, भूमि का जलस्तर भी बढ़ेगा। ये बरसात के भी कारक होते हैं। साथ ही, यदि नदी अथवा तालाब के किनारे हों तो मिट्टी के कटाव को भी रोकते हैं।

- किसान विकास केन्द्र खेती के विकास एवं तकनीकी ज्ञान के स्रोत के रूप में हमारे समक्ष हैं। ये 700 कृषि विकास केन्द्र खेती को नई जान डाल सकते हैं। किसान तक नई

तकनीक, नई जानकारी को पहुंचाने में कृषि विज्ञान केंद्र की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। ये केन्द्र एक Light House की तरह काम करते हैं।

- **मधुमक्खी पालन सिर्फ कमाई ही नहीं, पूरी मानवता के साथ जुड़ा हुआ है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार कहा था किः–**

"यदि धरती से मधुमखियां गायब हो जाएं तो मानव जाति केवल 4 साल तक ही जिंदा रह पाएगी।"

उनकी इस सोच के पीछे खेती और बागवानी में मधुमक्खियों की उपयोगिता छुपी हुई थी। जानकारों के मुताबिक फसलों की 100 प्रजातियों में से 70 प्रतिशत ऐसी हैं जो मधुमक्खियों के बिना उपज नहीं दे सकतीं। मधुमक्खी ना सिर्फ Pollination में मदद करती है बल्कि शहद के रूप में अमृत भी देती हैं।

- आज देश में 22 लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर Organic Farming होती है। सरकार परंपरागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत Organic Farming को पूरे देश में प्रोत्साहित करने में जुटी है। विशेष रूप से उत्तर पूर्व को ऑर्गेनिक खेती के Hub के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से हमारी सरकार ने किसानो को सबसे कम प्रीमियम पर फसल बीमा उपलब्ध कराया है। बीमा पर कैपिंग खत्म करते हुए ये प्रावधान किया गया कि पूरी राशि का बीमा किया जाए। इस योजना के बाद अब प्रति किसान मिलने वाली Claim राशि दोगुने से भी अधिक हो गई है।

- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश में अनाज उत्पादन की स्थिति अच्छी नहीं थी। संकट भरे उस दौर से हमारा अन्नदाता हमें बाहर निकालकर लाया है। आज देश में रिकॉर्ड अनाज उत्पादन, रिकॉर्ड दाल उत्पादन, रिकॉर्ड फल–सब्जियों का उत्पादन, रिकॉर्ड दुग्ध

उत्पादन हो रहा है। हमें अन्नदाता को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि वे और तल्लीनता और परिश्रम के साथ फसल उत्पादन का कार्य करे।

- फसल के जिस अवशेष को किसान सबसे बड़ी मुसीबत मानते हैं उससे पैसा भी बनाया जा सकता है। Coir Waste हो, Coconut Shells हों, Bamboo Waste हो, फसल कटने के बाद खेत में बचा Residue (रेसिड्यू) हो, इन सभी को किसानों की आय से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

- साथियों, हमारे यहां कुछ क्षेत्रों में एक गलत परंपरा पड़ गई है Crop Residue जलाने की। इसे कुछ लोग पराली जलाना भी कहते हैं। जब हम Crop Residue को जला देते हैं तो ये सारे अहम तत्व जलकर हवा में चले जाते हैं। इससे प्रदूषण तो होता ही है, किसान की मिट्टी को भी नुकसान होता है। हम इस पराली का उपयोग एनर्जी सोर्स के रूप में भी कर सकते हैं संबंधित तकनीक का उपयोग करके।

- Waste To Wealth भी बहुत सार्थक प्रयास है। गोबर धन योजना यानी Go-Bar धन यानि Galvenizing Organic Bio-Agro Resource धन योजना। गांव में बड़ी मात्रा में बायो वेस्ट निकलता है, जो गांव में गंदगी का बड़ा कारण बनता है। इस योजना के तहत इस वेस्ट को अब कंपोस्ट, बायो गैस और बायो सीएनजी में बदला जाएगा। यदि हम जैविक खाद की ओर बढ़ें तो खेत की उर्वरता को दुरूस्त कर सकते हैं। इस कदम से हम पीढ़ियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण खेत की रक्षा करने में हम समर्थ हो सकेंगे। हमारे यहां जंगलों में 50–80 टन बायोमास पर हेक्टेयर निकलता है जो हमारी पूंजी है। इस बायोमास से हम जैविक खाद, कीटनाशक तथा गैसीफायर बिजली बना सकते हैं।

- एक आंकड़े के अनुसार, भारत में crop waste generation 500–700 मिलियन टन है जिनमें से 450 मिलियन टन (Agro Residue) एग्रो अपशिष्ट है। अब तक इसमें से केवल 100 मिलियन टन Agro Waste को recycle किया जा रहा है। यदि **सम्पूर्ण उपलब्ध**

एग्रो वेस्ट या ग्रीन वेस्ट का शत प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जा सके तो किसानों को इसका बहुत बड़ा फायदा मिल सकता है।

- इस ग्रीन वेस्ट को बायो फर्टिलाइजर, बायो एनर्जी, पेपर निर्माण तथा कई अन्य प्रकार के उत्पादों के निर्माण में उपयोग में लाया जा सकता है। इसके लिए उपयुक्त तकनीक एवं रिसर्च हमारे पास उपलब्ध है। आवश्यकता है इसके effective implementation की।
- ऐसी तकनीक उपलब्ध है कि sewerage water को भी energy source के रूप में use किया जा सकता है। एक आंकड़े के अनुसार 4500 हजार कैंडल पॉवर सनलाइट भी 240 दिन भारत को मिलती है। जो वास्तव में वरदान है।
- इसी तरह अतिरिक्त आय का एक और माध्यम है **सोलर फार्मिंग**। ये खेती की वो तकनीक है जो ना सिर्फ सिंचाई की जरूरत को पूरा कर रही है बल्कि पर्यावरण की भी मदद कर रही है। खेत के किनारे पर **सोलर पैनल से** किसान पानी की पंपिंग के लिए जरूरी बिजली तो लेता ही है साथ में अतिरिक्त बिजली सरकार को बेच सकता है। इससे उसे पेट्रोल–डीजल से मुक्ति मिल जाएगी। इससे पर्यावरण की भी सेवा होगी तो पेट्रोल–डीजल की खरीद में लगने वाले सरकारी धन की भी बचत होगी।
- इस वर्ष के बजट में पशुपालन के लिए, मछलीपालन के लिए जो Infrastructure Development Fund बनाया गया है, उसके लिए सरकार ने 10 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। सरकार ने National Bamboo Mission के लिए भी लगभग 1300 करोड़ रुपए दिए हैं।
- **नदियों, तालाबों, पोखरों एवं किसी भी जलाशय को साफ रखना हमारे सामने एक चुनौती है। हमें इसके लिए उपयुक्त डिसिल्टिंग तकनीक का उपयोग करना होगा।**
- **एक आंकड़े के मुताबिक विश्व का 97.3 प्रतिशत पानी समुद्र में है। भारत में 2.45 प्रतिशत जमीन और 4 प्रतिशत पानी के स्रोत हैं।**

- **2050 में हमारे यहां पानी की मांग आज के 710 बिलियन क्यूबिक मीटर से 1180 बीसीएम हो जाएगी। अभी 33.4 करोड़ लोगों को साफ पीने का पानी नहीं मिल पाता जिससे कई बीमारियां होती हैं। 21 प्रतिशत संचारी रोगों का यही कारण है। सिर्फ साफ पानी उपलब्ध करा देने से सरकार का 26,000 करोड़ रुपये बच सकता है। साफ पीने का पानी लोगों की जिंदगियां एवं सरकार के पैसे दोनों को बचा सकता है। इसके लिए हर गांव में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। देश के कई गांवों में भी आर.ओ. वाटर के कियोस्क लगाए गए हैं।**

- **वहीं सीवेज के पानी को भी खेती के लिए इस्तेमाल में लाया जा रहा है। राजस्थान में गुड, कवास, भक्तारपुर एवं किरकारी गांव में Waste Water को सेप्टिक टेंक में डालकर, रिसाइकिल करके खेती के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।**

- **गांवों में Water management, Rainwater Harvesting और जलस्रोतों का संरक्षण कर हम न केवल खेती के लिए बल्कि प्रत्येक कार्य के लिए पानी बचा सकते हैं।**

- **Underground water का उपयोग खेती के लिए नहीं करना चाहिए क्योंकि ये बहुत ही कीमती हैं। यदि Underground water खत्म हो जाए तो पूरा एरिया ही जलरहित बन जाएगा, जो न केवल खेती बल्कि इंसानियत के लिए खतरनाक सिद्ध हो सकता है।**

- भारत का तीव्र गति से और सभी क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास हो एवं आम जनता की परेशानियां कम हो, इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री जी द्वारा बहुत–सी नई योजनाएं चलाई गई हैं जिनका समुचित रूप से कार्यान्वयन शासन के तीनों स्तरों की जिम्मेदारी है। चाहे वह केन्द्र हो, राज्य हो या स्थानीय स्वशासन, सभी को मिलजुल कर इन योजनाओं को कार्यान्वित करना होगा। ये योजनाएं निम्नलिखित हैं जो innovative and revolutionary दोनों हैं:–

1. प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana) – यह एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसके तहत भारत के सभी नागरिक को बीमा सुरक्षा प्रदान करने का प्रयत्न सरकार द्वारा किया गया है।

2. **डिजिटल इंडिया**– (Digital India) – India को पूरी तरह से Digital & Electronical बनाने के लिए इस योजना की शुरुआत की गयी है। इससे एक तो Direct Benefit Transfer से उस व्यक्ति तक सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक की पहुंच हुई है, वहीं दूसरी ओर सरकारी खजाने में काफी पैसे की बचत हुई है। उसी राजस्व से न केवल Infrastructure का विकास किया जा सकता है बल्कि गरीबों तक सामाजिक कल्याण की योजना भी पहुंचाई जा सकती है।

3. **प्रधानमंत्री जनधन योजना**– (Pradhan Mantri Jan Dhan Yojna) – हर भारतीय का बैंक में अकाउंट हो,इस उद्देश्य के साथ इस योजना की शुरुआत की गयी है।

4. **स्वच्छ भारत अभियान**– (Swachh Bharat Abhiyan) – भारत को स्वच्छ और साफ सुथरा बनाये रखने के लिए, इस योजना की शुरुआत प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गयी। इस योजना के व्यापक महत्व से हम सभी परिचित हैं। आज यह योजना एक जनांदोलन का रूप ले चुकी है। इससे कुड़ा प्रबंधन की ओर लोगों का ध्यान तो गया ही है, साथ ही स्वच्छता ने रोग एवं बीमारी को रोकने का जिम्मा भी लिया है। गंदगी एवं प्रदूषण की वजह से होने वाली बीमारियों पर होने वाला सरकारी व्यय अब कम हुआ है क्योंकि सफाई से उन बीमारियों पर आसानी से नियंत्रण पाया जा सका है जो बड़े पैमाने पर फैलती थीं एवं जन हानि का कारण बनती थीं।

5. **मेक इन इंडिया**– (Make in India) – Job opportunities for the national youth (Self Employed) मेक इन इंडिया के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

6. **स्टार्ट अप इंडिया एवं स्टैंड अप इंडिया – युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस नई योजना की शुरूआत की गई है। इन योजनाओं के सफलतापूर्वक कार्यान्वन के नतीजे काफी फलदायी सिद्ध होंगे।**

7. सांसद आदर्श ग्राम योजना(Saansad Adarsh Gram Yojana) – **गांव को अडॉप्ट करके उनका विकास करना। यह भी एक ऐसी योजना है जिससे न केवल गांवों का कायाकल्प हो सकता है बल्कि उन्हें आदर्श बनाकर उन्हें self sustained बनाया जा सकता है। एक–एक करके ये आदर्श ग्राम भारत की अर्थव्यवस्था को एक गति देने में सक्षम होंगे।**

8. अटल पेंशन योजना (Atal Pension Yojana) – बुढ़ापे कास हारा – बुढ़ापे में जब मनुष्य बूढ़ा हो जाता है तो उसके लिए पेंशन के रूप में यह स्कीम्स काम आएगी। इस योजना में कम से कम 18 वर्ष से लेकर अधिकतम 40 वर्ष के लोग भाग ले सकते है, यह योजना उन लोगों के लिए बहुत ही अच्छी योजना है जो लोग प्राइवेट में छोटी–मोटी नौकरी करके अपना जीवन–यापन करते हैं, जैसे – दुकानों पर काम करने वाले, मजदूर, दूकानदार, नाई, घरों में काम करने वाली महिला, कारखानों में काम करने वाले, खेती किसानी करने वाले लोग और भी बहुत सारे लोग, जो कम पैसे कमाते हैं, उनके लिए यह योजना उनके बुढ़ापे में उनका सहारा बन सकती हैं। ये योजनाएं अत्यन्त कम प्रीमियम पर सभी को उपलब्ध हैं।

9. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना– (Jeevan Jyoti Beema Yojana) (PMJJBY) – PMJJBY is a term life insurance policy that goes a Long way in ensuring a Safe financial future (Age group – 18 to 50 years)

10. प्रधान मंत्री आवास योजना– Awas Yojana (PMAY) – सभी के पास अपना घर हो, इसका सपना लेकर इस योजना की शुरुवात की गयी 2022 तक सभी के पास अपना घर हो इस उद्देश्य से इस योजना को बनाया गया है ।

11. **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना–** (Krishi Sinchai Yojna) – कृषि सिंचाई के संसाधनों के लिए यह योजना चलाई गई है जिससे अधिक से अधिक किसानों को खेती करने के लिए जल उपलब्ध हो सके।

12. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना– (Kaushal Vikas Yojna)-Skilled Development– सरकार का ध्यान इस ओर गया कि यदि हम अपने युवाओं को, जो हमारी आबादी का 65 प्रतिशत हिस्सा है, यदि हम उनमें कोई कौशल दे सकें, तो उन्हें ऐसी नौकरी आसानी से मिल सकती है, जिसमें जीवन–यापन करना संभव हो। उनके जीवन स्तर पर बदलाव आ सकता है। वे चाहे तो अपना उद्यम खोलकर कुछ और लोगों को रोजगार भी दे सकते हैं। इसी बात को ध्यान में रखकर यह योजना चलाई गई है, जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। शिक्षित एवं कौशल का विकास कर हमारे युवा या तो नौकरी प्राप्त कर रहे हैं अथवा उन्होंने अपना रोजगार खोल लिया है।

13. मुद्रा बैंक योजना– Mudra Bank Yojan – लोन लेकर अपना बिज़नस व्यापार करने के लिए मुद्रा बैंक योजना की शुरूआत की गई है। यह बहुत महत्वाकांक्षी योजना जिसके क्रियान्वयन से भारतीय अर्थव्यवस्था को एक गति मिल सकती है। इसके अन्तर्गत तीन तरह (Three Types) के लोन (Loan) प्राप्त करके अपना ब्यापार (Busniess) शुरू किया जा सकता है

शिशु लोन– इसके अन्तर्गत 50 हजार तक का लोन लिया जा सकता है। **किशोर लोन–** इसके अन्तर्गत 50 हजार से 5 लाख तक का लोन लेकर अपना बिज़नेस ब्यवसाय किया जा सकता है। इन दिनों बहुत लोग इस योजना का लाभ ले रहें है अगर आप भी अपना बिज़नेस करना चाहतें है या कोई शॉप ओपन करना चाहतें है तो आप लोन लेकर कर सकतें है ।

तरुण लोन– इसके अन्तर्गत 5 से 10 लाख तक का लोन लेकर अपना बिज़नेस या कंपनी ओपन कर सकते हैं।

14. गरीब कल्याण योजना– Garib Kalyan Yojna – गरीबों के कल्याण के लिए – हमारे समाज का हर तबका आगे बढ़े। कोई किसी भी हालत में पीछे न रहे इसके लिए गरीब कल्याण योजना की शुरूआत की गई है।

15. सुकन्या समृद्धि योजना– Sukanya Samriddhi Yojna – 10 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं के लिए उनकी एजुकेशन और शादी के लिए इस योजना की शुरुआत की गयी। यह भी एक महत्वपूर्ण समाज कल्याण से जुड़ी योजना है।

16. उज्ज्वला योजना – ग्रामीण भारत की महिलाओं को धुएं में खाना बनाना न पड़े इसके लिए मई 2016 को शुरू की गई इस योजना के तहत गरीब महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन मिल रहा है।

17. एलपीजी सब्सिडी पहल स्कीम– LPG Subsidy Pahal Scheme– भारत सरकार ने ''पहल'' नाम से एक एलपीजी सब्सिडी स्कीम शुरू की है जिसके तहत एलपीजी गैस सिलेंडर की सब्सिडी उपभोक्ता के बैंक अकाउंट में जमा होती है। इसके लिए उपभोक्ता के आधार को बैंक खाते एवं गैस एजेंसी से लिंक किया गया गया है। इससे लाखों रुपये की जहां बचत हुई है, वहीं सही उपभोक्ताओं तक सब्सिडी का लाभ भी पहुंचा है।

18. स्मार्ट सिटी योजना – Smart City Yojna– सरकार ने स्मार्ट सिटी योजना चलाई है जिसके तहत वर्ष 2015 में 20, वर्ष 2016 में 40, वर्ष 2017 में 40 स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। अपना इन्दौर भी उसी में शामिल है। केन्द्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में कुल 48,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है एवं इतना ही निवेश राज्य सरकारें भी अपने–अपने राज्य में चयनित नगरों के विकास में खर्च करेंगी।

19. नई मंजिल योजना – Nayi Manzil Yojna – 8 अगस्त 2015 को अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों, विशेष रूप से मुसलमानों की शैक्षिक और

जीविकापार्जन की जरूरतों में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से नई केन्द्रीय योजना 'नई मंजिल योजना' की शुरूआत की थी। यह योजना देश में अल्पसंख्यक समुदायों की प्रगति एवं सशक्तिकरण के संबंध में समग्र दृष्टिकोण एवं अल्पसंख्यकों के कल्याण में सुधार लाने के लिए प्रारंभ की गई है।

20. स्टैंड अप इंडिया लोन स्कीम – Stand Up India Loan Scheme – ''स्टैंड अप इंडिया स्कीम'' केन्द्र सरकार की एक योजना है जिसके अंतर्गत 10 लाख रुपये से 100 लाख रुपये तक की सीमा में ऋणों के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के बीच उद्यमशीलता को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

21. वन रैंक वन पेंशन – One Rank one Pension OROP – भारतीय सेना से रिटायर्ड सैनिकों की यह सबसे बड़ी समस्या थी कि उनके रैंक समान होने के बावजूद भी उन्हें समान पेंशन नहीं मिलता था। इस समस्या का निराकरण किया गया है।

22. इसी प्रकार कुछ ऐसी योजनाएं हैं जो गरीबों के कल्याण एवं गांवों के विकास से संबंधित हैं जैसे 1. अन्त्योदय अन्न योजना, 2. स्वर्णजयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना, 3. इंदिरा आवास योजना 4. ग्रामीण भंडारण योजना एवं जननी सुरक्षा योजना।

- ये सारी योजनाएं आम जनता की, समाज के उस वर्ग के कल्याण की ओर इंगित करती हैं जिसके मूल में एक ही बात है और वह है ''सबका साथ सबका विकास''।
- यहां एकत्रित जिले के कोने–कोने से आए हुए सरपंचों के लिए इन योजनाओं के बारे में जानना जरूरी ही नहीं, उनके कार्यान्वयन में यदि कोई परेशानियां आ रही हैं, तो वे अपनी बात समुचित फोरम पर रख सकती हैं। उन समस्याओं का हल ढूंढ सकती हैं।
- मैं पुनः आप सबसे निवेदन करती हूं कि आप अपनी शक्ति को समझें और वह परिवर्तन, जो अपेक्षित हैं, कर डालें। हम सब एक साथ मिलकर इस देश की तस्वीर बदल सकते हैं। Together we build a better future.

जय हिन्द।